सीएसआईआर-सीरी, पिलानी में ईआरपी पर कार्यशाला का आयोजन

केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिकी अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान, पिलानी में 15-16 फरवरी 2017 को एन्टरप्राइज रिसोर्स प्लानिग(ईआरपी) पर दो-पूर्ण दिवसीय गहन कार्यशाला का आयोजन किया गया । कार्यशाला में व्याख्यान देने के लिए सीएसआईआर के कारैकुडी(तमिलनाडु) स्थित केंद्रीय विद्युतरसायन अनुसंधान संस्थान (सीईसीआरआई) के वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ राधाकृष्णन को आमंत्रित किया गया था। कार्यशाला का उद्देश्य ईआरपी का महत्व बताते हुए सभी सहकर्मियों को अपने अनेक प्रशासनिक, वित्त एवं लेखा, बिल, भंडार व क्रय से संबंधित कार्यालयी कार्यों को ईआरपी के माध्यम से करने का प्रशिक्षण देना तथा सहकर्मियों की समस्याओं का समाधान करना था।

ईआरपी प्रणाली की जानकारी देते हुए डॉ राधाकृष्णन, वरिष्ठ वैज्ञानिक, सीएसआईआर-सीईसीआरआई-कारैकुडी

15 फरवरी को सत्रों की अध्यक्षता डॉ जमील अख़्तर, मुख्य वैज्ञानिक ने की तथा 16 फरवरी को संस्थान के निदेशक डॉ शांतनु चौधुरी ने की। 15 फरवरी को सम्मेलन कक्ष में आयोजित कार्यशाला के आरंभिक सत्र में संयोजक पीएमबीडी प्रमुख एवं मुख्य वैज्ञानिक डॉ एस अली अकबर ने डॉ राधाकृष्णन का परिचय दिया।

कार्यशाला के दौरान संस्थान के प्रशासनिक, वित्त एवं लेखा और भंडार एवं क्रय अनुभाग के सहकर्मियों को अलग-अलग सत्रों में अपने कार्यालयी कार्यों को ईआरपी के माध्यम से करने के लिए जानकारी दी। साथ ही, विभिन्न वैज्ञानिक प्रभागों के प्रमुखों व अन्य वैज्ञानिक एवं तकनीकी सहकर्मियों को भी ईआरपी के माध्यम से व्यक्तिगत दावों के निपटान के साथ साथ सरकारी क्रय माँगपत्र जनरेट करने, सामग्री-सूची अद्यतन करने, परियोजनाओं की मैपिग आदि की जानकारी दी ।

सहकर्मियों की समस्याओं पर चर्चा करते हुए डॉ राधाकृष्णन

डॉ राधाकृष्णन ने ईआरपी प्रणाली के लाभों की जानकारी देते हुए बताया कि सीएसआईआर मुख्यालय सहित अन्य कई प्रयोगशालाओं व संस्थानों ने अपने अधिकांश कार्यालयी कार्यों में ईआरपी को अपना लिया है और इसके माध्यम से अपने अधिकांश रिकॉर्ड को भी अद्यतन अपडेट) कर लिया है । उन्होंने कहा कि सरकार और सीएसआईआर मुख्यालय कागज़ रहित कार्यालय (पेपरलेस ऑफिस) की ओर बढ़ने के लिए कृतसंकल्प हैं। उन्होंने सहकर्मियों को अपने कार्यालयी कार्य ईआरपी के माध्यम से करने के लिए अभ्यास भी कराया।

कार्यशाला के अंतिम सत्र में ***डॉ राधाकृष्णन*** ने संस्थान के सभागार में सभी सहकर्मियों को एकसाथ संबोधित करते हुए उनकी समस्याओं पर चर्चा की और "वन सीएसआईआर पोर्टल"पर लॉग इन कर समाधान बताए।

संस्थान के निदेशक ***प्रो शांतनु चौधुरी*** ने डॉ राधाकृष्णन का धन्यवाद दिया और शीघ्र कार्य निष्पादन में ईआरपी को लाभदायक बताते हुए सभी सहकर्मियों से इस प्रणाली को अपनाने का आह्वान किया।

अंत में संयोजक ***डॉ एस अली अकबर*** ने अतिथि वक्ता को अपने प्रस्तुतीकरण व व्याख्यान के माध्यम से सहकर्मियों को लाभान्वित करने के लिए धन्यवाद देते हुए आशा व्यक्त की कि शीघ्र ही सीरी में भी सभी कार्य ईआरपी के माध्यम से किए जाएँगे।